MR. DEPUTY CHAIRMAN: The following hon. Members associated themselves with the matter raised by hon. Member, Shri Vivek K. Tankha: Shrimati Jebi Mather Hisham (Kerala), Shri Pramod Tiwari (Rajasthan), Shrimati Sonia Gandhi (Rajasthan), Shri Ashok Singh (Madhya Pradesh), Shri Imran Pratapgarhi (Maharashtra), Shri Digvijaya Singh (Madhya Pradesh), Shri R. Girirajan (Tamil Nadu), Shri Haris Beeran (Kerala) and Shri Madan Rathore (Rajasthan).

Dr. Ajeet Madhavrao Gopchade; Concern over rising problem of drug addiction among poor children.

Concern over rising problem of drug addiction among poor children

डा. अजित माधवराव गोपछड़े (महाराष्ट्र) : उपसभापति महोदय, मैं पेशे से एमबीबीएस, एमडी, बाल रोग चिकित्सक हूं। आज एक अत्यंत गंभीर विषय पर चर्चा करने के लिए आपके समक्ष उपस्थित हुआ हूं। यह विषय हमारे समाज के सबसे कमजोर वर्ग, अर्थात गरीब बच्चों से संबंधित है, जो नशे की समस्या का शिकार हो रहे हैं।

महोदय, सड़कों पर रहने वाले गरीब बच्चे झंडू बाम को बेड पर लगाकर सेवन कर रहे हैं। साथ ही, वे Fevicol, paint, petrol, diesel, turpentine, nail polish remover, Corex, Fenistil, cough syrup जैसी वस्तुओं का भी उपयोग नशे के लिए कर रहे हैं। ये सभी चीजें आसानी से उपलब्ध हैं और इनकी बिक्री या सेवन पर कोई कानूनी प्रतिबंध नहीं है, इसलिए पुलिस इस स्थिति में कुछ नहीं कर सकती है। आजकल कई लोग नशे के पारंपरिक तरीकों से हटकर पेट्रोल-डीजल की गंध सूंघने की ओर आकर्षित हो रहे हैं। यह एक अनोखा नशा है, जो तेजी से फैल रहा है। पेट्रोल सूंघने की आदत एक गंभीर समस्या बन चुकी है, जो स्वास्थ्य को कई प्रकार से नुकसान पहुंचा सकता है। Fevicol और paint जैसे पदार्थों का सेवन करने वाले बच्चों की संख्या हर साल लाखों तक पहुंच रही है। अब किशोरों के बीच में synthetic drugs एक status symbol बनता जा रहा है। कई किशोर अपने दोस्तों के बीच लोकप्रियता पाने के लिए या सामाजिक दबाव के कारण इन पदार्थों का सेवन करने लगे हैं।

माननीय उपसभापति महोदय, इस समस्या के समाधान के लिए समाज की ओर से एक सामूहिक प्रयास करना बहुत आवश्यक है। सरकार द्वारा सभी बाल मनोचिकित्सकों को इस अभियान में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित करना बहुत जरूरी है। मादक पदार्थों के सेवन से प्रभावित बच्चों के मामले में, इन बच्चों को बाल कल्याण समिति के सामने लाना बहुत जरूरी है। इसके बाद बाल कल्याण समिति उन बच्चों के देखभाल, विषहरण, इलाज और पुनर्वास के लिए सही जगहों में भेजने का फैसला करेगी।

महोदय, औषधि एवं प्रसाधन सामग्री नियम, 1945 के तहत इसका उल्लेख किया गया है कि प्रत्येक पंजीकृत फार्मासिस्ट केवल उन्हीं दवाओं का वितरण करेगा, जो पंजीकृत चिकित्सा पेशेवरों द्वारा निर्धारित की गई हों। हम सभी जानते हैं कि यह नशा केवल एक व्यक्तिगत समस्या

नहीं है, बल्कि एक सामाजिक और स्वास्थ्य संबंधी मुद्दा है, जो हमारे भविष्य की पीढ़ी को प्रभावित कर रहा है।

इसलिए मैं माननीय सदन और सरकार से निवेदन करता हूं कि इस गंभीर समस्या को ध्यान में रख कर, इस गंभीर समस्या के प्रभावी रोकथाम के लिए कुछ ठोस कदम उठाए जाएँ। ऑस्ट्रेलिया और कनाडा की सरकारों ने सिंथेटिक नशा के उपचार और पुनर्वास के लिए विशेष कार्यक्रम विकसित किये हैं। उनमें बच्चों और उनके परिवारों के लिए मनोवैज्ञानिक सहायता और पुनर्वास के उपाय भी शामिल है। हम सब मिलकर इस गंभीर समस्या का समाधान करें। ...(**व्यवधान**)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The following hon. Members associated themselves with the matter raised by hon. Member, Dr. Ajeet Madhavrao Gopchade: Dr. Sasmit Patra (Odisha), Shri Dhananjay Bhimrao Mahadik (Maharashtra), Dr. Anil Sukhdeorao Bonde (Maharashtra), Dr. Sumer Singh Solanki (Madhya Pradesh), Shri Madan Rathore (Rajasthan), Shri Maharaja Sanajaoba Leishemba (Manipur), Shri Meda Raghunadha Reddy (Andhra Pradesh), Dr. Fauzia Khan (Maharashtra) and Shri R. Girirajan (Tamil Nadu).

Zero Hour is over. Now, it is Question Hour. ...(Interruptions)... Nothing is going on record.

12.00 **Noon**

ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

Great Nicobar Project

*136. SHRI SAKET GOKHALE: Will the Minister of TRIBAL AFFAIRS be pleased to state:

(a) the action taken on concerns raised by the National Green Tribunal (NGT) and the National Commission for Scheduled Tribes (NCST) over the effect of environmental and forest clearances granted for the Great Nicobar Project on local tribal communities; and

(b) the total number of people belonging to various tribal groups that are expected to be relocated as part of the Great Nicobar Project?

THE MINISTER OF TRIBAL AFFAIRS (SHRI JUAL ORAM): (a) to (b) A Statement is laid on the Table of the House.